

THE MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRY OF DEFENCE (SHRI K.
P. SINGH DEO): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) If certain damages occur accidentally to the private buildings and properties during construction, compensation is payable by the Border Roads Organisation after due enquiry and in consultation with local Civil administration.

(d) The scheme of construction by-pass was approved by the Advisory Committee constituted by the Central Government in terms of Forests (Conservation) Act, 1980.

**विभिन्न हवाई अड्डों पर जन्त की गई
विदेशी वस्तुएं**

2451. श्री वीरेन्द्र वर्मा :

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में उन हवाई-अड्डों के नाम क्या हैं जहां पिछले तीन वर्षों के दौरान सीमा-शुल्क अधिकारियों द्वारा विदेशी वस्तुएं जन्त की गई थीं और इस प्रकार जन्त की गई वस्तुओं का कुल मूल्य कितना है ;

(ख) छोड़ी गई वस्तुओं का ब्योरा क्या है और अभी तक जन्त पड़ी वस्तुओं की तुलना में उनका मूल्य क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि बढ़िया और नया सामान निकाल कर उसके स्थान पर पुराना और घटिया सामान रखे जाने से संबंधित शिकायतों की जांच की गई थी ; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० एम० कृष्ण) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान मुख्य-मुख्य अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर जन्त किए गए माल का विवरण निम्नानुसार है :-

बम्बई . . .	981 लाख रु०
दिल्ली . . .	629 लाख रु०
कलकत्ता . . .	588 लाख रु०
मद्रास . . .	204 लाख रु०
तिरुनेन्द्रम . . .	196 लाख रु०

(ख) माल को छोड़ने के लिए उसका मूल्य और उसकी मात्रा निर्णायक तत्व होते हैं। आने वाले यात्रियों के सिलसिले में शुल्क-मुक्त मोक के रूप में छोड़े गए माल का कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता है और इसलिए, यह सूचना देना संभव नहीं है।

(ग) और (घ) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन-पटल पर रख दी जाएगी।

Customs Duty on Drugs

2452. SHRIMATI MAIMOONA
SULTAN:

DR. JOSEPH LEON D'SOUZA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what are the names of the drugs on which a customs duty of more than .05 per cent is levied and what are the reasons for charging such a high rate of duty on those drugs;

(b) what are the reasons which prompted his Ministry to jack up customs duty to help a few producers at the cost of poor consumers;